आपदा प्रब्बंधन

1. भूकम्प और सुनामी के बीच अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर- भूकम्प और सुनामी दोनों प्राकृतिक आपदाएँ हैं। जब पृथ्वी की आंतरिक गतिविधियों के कारण धरातल पर अचानक कंपन उत्पन्न होता है तब इसे भूकम्प कहा जाता है। जब इस प्रकार का कंपन सागर या महासागर के तल पर होता है तब इसे सुनामी कहा जाता है।

2. भूस्खलन क्या है?

उत्तर- पहाड़ों पर से पत्थर का खिसकर गिरना एवं पथरीली मिट्टी का बहाव भूस्खलन कहलाता है। भारी वर्षा, बाढ़, भूकम्प या फिर गुरुत्वाकर्षण प्रक्रिया से भूस्खलन होता है। मानवीय गतिविधियों के कारण भी भूस्खलन की क्रियाएँ ज्यादा होने लगी है।

BY Ashfaque Sir
A Online Solution

3. बिहार में बाढ़ की स्थिति का वर्णन करें।

उत्तर- बिहार में हर बाढ़ आती है। उत्तरी बिहार क्षेत्र बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र कहलाता है। इस क्षेत्र में नेपाल से आनेवाली नदियों द्वारा भारी मात्रा में जल निकलता है। नदी तल में गाद जमा होने के कारण पानी बांध को तोड़कर फसलों एवं घरों को नष्ट करता है।इससे जान-माल की क्षति अधिक होती है। दक्षिण बिहार में पुनपुन, सोन, फल्गु आदि नदियों द्वारा बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

4. बाढ़ नियंत्रण के लिए उपाय बताएँ।

उत्तर– बाढ़ नियंत्रण के लिए निम्न उपाय –

(i) नदी तटबंधों की मरम्मत का कार्य ।

(ii) नदी तटबंध के ऊपर वृक्षारोपण कार्य ।

(iii) सरकार द्वारा नदियों को आपस में जोड़ना ।

(iv) नदियों से गाद निकालना।

(v) सुदूर संवेदन प्रणाली द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का अध्ययन कर बाँधों का नियमित जाँच करना ।

5. सुनामी से उत्पन्न तबाही से बचाव के कोई तीन उपाय बताइए।

उत्तर– सुनामी से उत्पन्न तबाही से बचाव के निम्नलिखित तीन उपाय हैं–

(i) समुद्र तट से दूर बसना चाहिए।

(ii) समुद्र के किनारे का तटबंध मजबूत होना चाहिए।

(iii) समुद्र तट पर अधिक संख्या में मैंग्रोव के पेड़ लगाना चाहिए।

6. आपदा से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– कुछ दुर्घटनाएँ ऐसी होती है जो बिना बुलाए अचानक आ जाती है और थोड़े समय में ही जन धन की अध्यधिक क्षति पहुँचा देती है। ये हमें संकट की स्थिति में ला देती है। संकट की स्थिति उत्पन्न करनेवाली ऐसी कोई भयावह घटना 'आपदा' कहलाती है।

7. भूकंप केंद्र और अधिकेंद्र में अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर– भूपटल पर वे केंद्र जहाँ भूकंप के तरंग का सर्वप्रथम अनुभव होता है।वह अधिकेन्द्र कहलाता है जबकि भूपटल के नीचे का वह स्थल जहाँ भूकंपीय कंपन प्रारंभ होता है वह भूकंप केंद्र कहलाता है |

By Ashfaque Sir A Online Solution

8. सूखाड़ से बचाव के तरीकों का उल्लेख करें।

उत्तर- सूखाड़ से बचाव के तरीके निम्नलिखित हैं-

(i) वर्षा जल संग्रहण का पर्याप्त उपाय करना ।

(ii) नहर, पईन, तालाब और आहर की व्यवस्था करना।

(iii) पशुओं के लिए पर्याप्त चारे की व्यवस्था करना।

(iv) पेयजल के सुरक्षित भंडारण।

9. आकस्मिक आपदा प्रबंधन में स्थानीय प्रशासन की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर- आकस्मिक आपदा प्रबन्धन में स्थानीय प्रशासन की भूमिका अहम होती है।इनके द्वारा आकस्मिक आपदा की स्थिति में राहत शिविर का निर्माण, उपचार सामग्री की व्यवस्था, प्राथमिक उपचार की सामग्रियों, डॉक्टर, एम्बुलेन्स, अग्निशामक इत्यादि की व्यवस्था, की जाती है |

10. सुखाड़ के लिए उत्तरदायी कारकों की विवेचना करें।

उत्तर-सुखाड़ के उत्तरदायी कारक निम्नलिखित हैं-

(i) वर्षा की मात्रा में कमी होना या मानसून की विफलता ।

(ii) वायु में शुष्कता तथा पृथ्वी के जलस्तर का नीचे आना।

(iii) वनों की कटाई ।

(iv) नदियों के ऊपरी जल ग्रहण क्षेत्रों में बाँधों के निर्माण के कारण जल का कम होना।

By Ashfaque Sir
A Online Solution

इतिहास

1.रूसी क्रांति के दो कारणों का वर्णन करें ।

उत्तर- रूसी क्रांति के दो महत्त्वपूर्ण कारण थे-

(i) निरंकुश शासन - रूसी क्रान्ति का एक महत्त्वपूर्ण कारण जारशाही की निरंकुशता था । रूस का जार हमेशा विरोधियों को कठोर से कठोर दंड दिया करता था । लोगों को किसी प्रकार की स्वतंत्रता नहीं थी । जार की दमनकारी व्यवस्था और अत्याचार से प्रजा का विरोध और असंतोष बढ़ता गया |

(ii) किसानों एवं मजदूरों की दयनीय स्थिति - रूसी समाज के बहुसंख्यक किसान वर्ग की स्थिति अत्यंत दयनीय थी । मजदूर तथा श्रमिक भी शोषण के शिकार थे । अत: किसान - मजदूर जारशाही के विरोधी बन गए |

2. इटली के एकीकरण में ऑस्ट्रिया कि भूमिका क्या थी?

उत्तर -इटली, जर्मनी का एकीकरण ऑस्ट्रिया कि शर्त पर हुआ क्योंकि इटलीएवं जर्मनी के प्रांतो पर ऑस्ट्रिया का अधिपत्य तथा हस्तक्षेप तथा,ऑस्ट्रिया को इटलीऔर जर्मनी को बाहर करके ही दोनों का एकीकरण संभव था | दोनों राष्ट्र ने ऑस्ट्रिया को बाहर निकालने के लिए विदेशी सहायता ली |

BY Ashique Sir
A A Onlne Solution

3. हो - ची - मिन्ह का संक्षिप्त परिचय दें।

उत्तर- हो ची मिन्ह वियतनामी स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता थे। वे साम्यवादी विचारधारा से प्रभावित थे। 1925 में उन्होंने 'वियतनामी क्रांतिकारी दल' की स्थापना की एवं फ्रांसीसी साम्राज्यवाद से लड़ने के लिए कार्यकर्त्ताओं के सैनिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की। 1930 ई. में राष्ट्रवादी गुटों को एकत्रित कर 'वियतनाम कॉग सान देंग दल की स्थापना की। 1945 ई० में उन्होंने लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना की। वे जीवन पर्यंत वियतनाम की स्वतंत्रता और अखण्डता के लिए संघर्षरत रहे ।

4.दांडी यात्रा का क्या उद्देश्य था?

उत्तर– दांडी यात्रा की शुरुआत 12 मार्च , 1930 को नमक कानून भंग करने के लिए की गई । नमक के उत्पादन पर अंग्रेजी सरकार का नियंत्रण था । गाँधीजी इसे अन्याय समझते थे । अतः दांडी पहुँचकर 6 अप्रैल को समुद्र के पानी से नमक बनाकर उन्होंने नमक कानून भंग किया । जिसके कारण सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हुआ ।

5. चम्पारण सत्याग्रह का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर– भारत में सत्याग्रह का पहला प्रयोग महात्मा गाँधी ने चंपारण में ही किया था। चंपारण सत्याग्रह अप्रैल, 1917 में बिहार के चंपारण जिले में हुआ थाजिसका कारण वहाँ के किसानों के ऊपर निलहे बागान मालिकों का अत्या. चार था। उस समय चम्पारण में बागान व्यवस्था के अंतर्गत नील की खेती बड़े पैमाने पर की जा रही थी। निलहे साहबों ने अपनी कोठियाँ स्थापित कर रखी थी। ये किसानों को तीनकठिया प्रणाली के अंतर्गत नील की खेती करने को बाध्य करते थे। इस व्यवस्था के द्वारा किसानों को अपनी सबसे अच्छी उपजाऊ भूमि के 3/20 भाग पर नील की खेती करनी होती थी। किसान नील उपजाना नहीं चाहते थे, क्योंकि इससे जमीन की उर्वरता कम हो जाती थी। किसानों को उपज का उचित मूल्य भी नहीं मिलता था जिससे उनकी स्थिति काफी दयनीय हो गई थी। इसके अलावा किसानों से बेगारी भी बागान मालिकों द्वारा कराई जाती थी। उनका आर्थिक और शारीरिक शोषण भी किया जाता था। इससे किसानों की स्थिति काफी चिंताजनक हो गयी थी। इन्हीं बातों को लेकर महात्मा गाँधी ने चंपारण में सत्याग्रह का सफल प्रयोग किया। 1918 में चंपारण एग्रेरियन कानून पारित कर निलहों का अत्याचार रोक दिया गया एवं तीन कठिया प्रणाली समाप्त की गई।

6. असहयोग आंदोलन प्रथम जन – आंदोलन था । कैसे ?

उत्तर– महात्मा गाँधी के नेतृत्व में चलाया गया असहयोग आंदोलन प्रथम जन – आंदोलन था।इस आंदोलन को असहयोग और बहिष्कार से शुरुआत किया गया । इस आंदोलन का व्यापक जनाधार था । इस आंदोलन में शहरी वर्ग में मध्यम वर्ग तथा ग्रामीण क्षेत्र में किसानों , आदिवासियों एवं श्रमिकों का व्यापक समर्थन मिला । इस आंदोलन में विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के साथ – साथ भारतीयों ने मेसोपोटामिया युद्ध में भरती होने से इनकार कर दिया ।

7. न्यू डील से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर :–आर्थिक मंदी के प्रभावों को समाप्त करने एवं उसे नियंत्रित करने के उद्देश्य से 1932 में अमेरिको राष्ट्रपति फ्रैंकलीन डी ० रूजवेल्ट ने नई आर्थिक नीति अपनाई जिसे ' न्यू डील ' का नाम दिया गया । इस नई नीति के अनुसार जन कल्याण की व्यापक योजना के अंतर्गत आर्थिक , राजनीतिक एवं प्रशासनिक नीतियों को ठीक करने का प्रयास किया गया ।

8. पाण्डुलिपि क्या है? इसकी क्या उपयोगिता है ?

उत्तर :–छापाखाना के पहले भोजपत्र या हाथ से बने कागज पर हाथ से सुन्दर अक्षरों में लिखकर पुस्तकें तैयार की जाती थीं । इनके पन्नों को सिलकर जिल्द चढ़ा दी जाती थी। इसी को पाण्डुलिपि कहा जाता था | इसका उपयोग कर संस्कृत , पाली , प्राकृत , क्षेत्रीय भाषाओं , अरबी तथा फारसी में ऐसी अनेक पाण्डुलिपियाँ तैयार की गई |

9. भूमंडलीकरण किसे कहते हैं?

उत्तर :–भूमंडलीकरण वह प्रक्रिया है जो राजनीतिक , आर्थिक , सामाजिक , वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक जीवन के विश्व स्तर पर सभी को जोड़ने की प्रक्रिया है जो विश्व के विभिन्न भागों के लोगों को आपस में जोड़ने का प्रयास करता है

By Ashfaque Sir
A Online Solution

10. औद्यौगिक क्रांति क्या है?

उत्तर–औद्योगीकरण ऐसी प्रक्रिया थी जिसके उत्पादन की पद्धति को बदल दिया 18 वीं शताब्दी के बाद से उत्पादन में नई तकनीक और मशीनों का व्यवहार आरंभ हुआ । मानव श्रम के स्थान पर मशीन उत्पादन का काम करने लगी । उत्पादन की यह नई प्रक्रिया औद्योगिक क्रांति है ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

11. अक्टूबर क्रांति क्या है?

उत्तर– 7 अक्टूबर 1917 ई० में बोल्शेविकों ने पेट्रोग्राद के स्टेशन, बैंक, डाकघर, टेलीफोन केंद्र, कचहरी तथा अन्य सरकारी भवनों पर अधिकार कर लिया | केरेन्सकी भाग गया और शासन की बागड़ोर बोल्शेविकों के हाथों में आ गयी जिसका अध्यक्ष लेनिन को बनाया गया | इसी क्रांति को बोल्शेविक क्रांति या अक्टूबर क्रांति कहा जाता है |

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में गाँधीजी की भूमिका की विवेचना करें|

उत्तर– भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में 1919-1947 का काल गाँधी युग के नाम से जाना जाता है । राष्ट्रीय आंदोलन को गाँधीजी ने एक नई दिशा दिया । सत्य – अहिंसासत्याग्रह का प्रयोग कर गाँधीजी भारतीय राजनीति में छा गए । इन्हीं अरबों का सहारा लेकर उन्होंने औपनिवेशिक सरकार के विरुद्ध राष्ट्रीय आंदोलनों को जन आंदोलन में परिवर्तित कर दिया ।

1917-18 में उन्होंने चंपारण , खेड़ा और अहमदाबाद में सत्याग्रह का सफल प्रयोग किया । 1920 ई ० में गाँधीजी ने अहसयोग आंदोलन आरंभ किया । जिसमें बहिष्कार , स्वदेशी तथा रचनात्मक कार्यक्रमों पर बल दिया गया । 1930 में गाँधी जी ने सरकारी नीतियों के खिलाफ दूसरा व्यापक आंदोलन सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया । इसका आरंभ उन्होंने 12 मार्च , 1930 को दांडी यात्रा से किया । गाँधीजी का निर्णायक आंदोलन 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन था जिसमें उन्होंने लोगों को प्रेरित करते हुए ' करो या मरो ' का मंत्र दिया । गांधीजी के लगातार कोशिशों के बाद ही 15 अगस्त ,

1947 को भारत को आजादी प्राप्त हुई । वे एक राजनीतिक नेता के साथ – साथ अच्छे चिंतन समाजसुधारक एवं हिन्दू मुस्लिम एकता के समर्थक थे ।

2. 1929 के आर्थिक संकट के कारण एवं परिणामों को स्पष्ट करें।

उत्तर :-1929 के आर्थिक संकट के कारण-

(i) कृषि क्षेत्र में अति उत्पादन के कारण विश्व बाजारों में खाद्यान्नों की आपूर्ति आवश्यकता से अधिक हो गई। इससे अनाज के मूल्य में कमी आई उनका खरीददार नहीं रहा।

(ii) गरीबी और बेरोजगारी से उपभोक्ताओं की क्रय क्षमता घट गई थी, अतः विश्व बाजार पर आधारित व्यवस्था लड़खड़ा गई।

(iii) अमेरिकी पूँजी के प्रवाह में कमी आर्थिक संकट का एक अन्य महत्त्वपूर्ण कारण था। स्वयं अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी संकटग्रस्त हो गई। इसने महामंदी की स्थिति ला दी।

1929 के आर्थिक संकट के परिणाम आर्थिक महामंदी का विश्वव्यापी प्रभाव पड़ा। यूरोपीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। यूरोप के अनेक बैंक रातों-रात बंद हो गए। अनेक देशों की मुद्रा का अवमूल्यन हो गया। अनाज और कच्चे माल की कीमतें घटने लगी। व्यापक विश्व बाजार का स्थान संकुचित आर्थिक राष्ट्रवाद ने ले लिया। भारत में किसानों की दयनीय स्थिति हो गई। बंगाल का पटसन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ। व्यापार में गिरावट आई। भारत से ब्रिटेन सोना का निर्यात करने लगा।

3. नई आर्थिक नीति क्या है ? विवेचना करें ।

उत्तर :-ब्रटेन वुड्स सम्मेलन जुलाई , 1944 ई ० में अमेरिका के न्यू हैम्पशायर स्थान पर हुआ था जिसका मुख्य उद्देश्य औद्योगिक विश्व में आर्थिक स्थिरता एवं पूर्ण रोजगार था । क्योंकि इसी आधार पर विश्व शांति स्थापित की जा सकती थी । आर्थिक महामंदी का आरंभ अमेरिका में हुआ था जो 1929 से 1933 तक बना रहा । महामंदी से उबरने के लिए रूजवेल्ट ने नई आर्थिक नीति अपनाई । इस नयी नीति के अनुसार जनकल्याण की व्यापक योजना बनाई गई । इसका प्रमुख उद्देश्य कृषि और उद्योग में संतुलन स्थापित करना साथ ही मानव समाज और स्वाधीनता को सुरक्षित रखना भो

था । जनकल्याण के तहत रेलमार्ग , सड़क , पुल एवं स्थानीय विकास के कार्य के लिए ऋण दो गई ताकि रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हो सके । औद्योगिक क्षेत्र में व्यापार और उत्पादन का नियमन , मजदूरी में वृद्धि , काम के घंटे तय करना , मूल्यों में वृद्धि को रोकना इत्यादि कार्य किए गए । कृषि क्षेत्र में किसानों की क्रय शक्ति तथा सामान्य आर्थिक स्थिति को युद्ध के पूर्व के स्तर तक ले जाने का प्रयास हुआ ।

4. मुद्रण क्रांति ने आधुनिक विश्व को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर :- मुद्रण क्रांति का विश्व पर व्यापक प्रभाव पड़ा। मुद्रण क्रांति ने आम लोगोंकी जिन्दगी ही बदल दी। मुद्रण क्रांति के कारण छापाखानों की संख्या मेंभारी वृद्धि हुई। जिसके परिणामस्वरूप पुस्तक निर्माण में अप्रत्याशित वृद्धिहुई। मुद्रण क्रांति के फलस्वरूप किताबें समाज के हर तबकों के बीच पहुँच पायी । किताबों की पहुँच आसान होने से पढ़ने की एक नई संस्कृति विकसित हुई। एक नया पाठक वर्ग पैदा हुआ तथा पढ़ने के कारण उनके अंदर तार्किक क्षमता का विकास हुआ। पठन-पाठन से विचारों का व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ तथा तर्कवाद और मानवतावाद का द्वार खुला। धर्म सुधारक मार्टिन लूथर ने रोमन कैथोलिक चर्च की कुरीतियों की आलोचना करते हुए अपनी पिच्चानवें स्थापनाएँ लिखी। फलस्वरूप चर्च में विभाजन हुआ और प्रोटेस्टेंटवाद की स्थापना हुई। इस तरह छपाई से नए बौद्धिक माहौल का निर्माण हुआ एवं धर्म सुधार आंदोलन के नए विचारों का फैलाव बड़ी तेजी से आम लोगों तक हुआ। वैज्ञानिक एवं दार्शनिक बातें भी आम जनता के पहुँच से बाहर नहीं रही। न्यूटन, टामसपेन, वाल्तेयर और रूसो की पुस्तकं भारी मात्रा में छपने और पढ़ी जाने लगी।मुद्रण क्रांति के फलस्वरूप प्रगति और ज्ञानोदय का प्रकाश यूरोप में फैल चुका था लोगों में निरंकुश सत्ता से लड़ने हेतु नैतिक साहस का संचार होने लगा था। फलस्वरूप मुद्रण संस्कृति ने फ्रांसीसी क्रांति के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण किया।

राजनीतिक विज्ञान

1. धर्मनिरपेक्ष राज्य से क्या समझते हैं ?

उत्तर – वैसे राज्य जिसमें किसी भी धर्म को विशेष प्रार्थमिकता ना दिया जाता हो बल्कि सभी धर्मों को समान आदर, सामान अधिकार प्राप्त हो उसे धर्मनिरपेक्ष राज्य कहते हैं जैसे भारत |

2.सत्ता कि साझेदारी का क्या अर्थ है ?

उत्तर– सत्ता की साझेदारी ऐसी शासन व्यवस्था होती है जिसमें समाज के प्रत्येक समूह की भागीदारी होती है। सत्ता की साझेदारी ही लोकतंत्र का मूलमंत्र है। लोकतांत्रिक सरकार में प्रत्येक नागरिक की हिस्सेदारी होती है, जो भागीदारी के द्वारा संभव हो पाती है।

3. पंचायती राज क्या है ?

उत्तर :– पंचायत राज एक ऐसी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत सत्ता और प्रशासनिक शक्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है। इसमें शक्ति का विकेन्द्रीकरण किया जाता है ताकि विकास योजनाओं का लाभ सभी क्षेत्र में पहुँच सके |

4. समवर्ती सूची क्या है ?

उत्तर :– केन्द्र और राज्यों के बीच शक्ति के बँटवारे के लिए निर्मित तीन सूचियों में से एक ऐसी सूची है जिसके विषयों पर केन्द्र और राज्य दोनों कानून बना सकते हैं । परन्तु विरोध की स्थिति में केन्द्रीय कानून ही प्रभावी होता है । समवर्ती सूची में 47 विषय आते हैं |

Ashfaque
A Online Solution

5. संघ राज्य का अर्थ बताएँ ।

उत्तर :- जब किसी देश में शासन चलाने लिए दूसरे स्तर पर सरकार का गठन किया जाता है तब वह संघ राज्य कहलाता है। संघ राज्य में सबसे ऊपर केन्द्र की सरकार और नीचे राज्य की सरकारें होती है और एक लिखित संविधान के द्वारा दोनों स्तर की सरकारों के बीच शक्तियों का बँटवारा किया जाता है ।

6. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के विषय में लिखें ।

उत्तर :- अनुच्छेद 19 के द्वारा भारतीय नागरिकों को स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है । इसके अन्तर्गत बोलने की स्वतंत्रता , शांतिपूर्वक सभा करने की स्वतंत्रता , संघ बनाने की स्वतंत्रता , देश के किसी भी क्षेत्र में आवागमन की स्वतंत्रता , देश के किसी भी क्षेत्र में निवास करने की स्वतंत्रता तथा कोई भी व्यापार करने एवं जीविका चुनने की स्वतंत्रता दी गई है ।

By Ashfaque Sir Online Solution

7. दल-बदल कानून क्या है?

उत्तर :- जब कोई प्रतिनिधि किसी दल से चुनाव लड़ते हैं और चुनाव जीतने के बाद उस दल को छोड़ कर किसी दूसरे दल में चले जाते है तो इसे दल-बदल कहा जाता है। इसकी बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए 1985 एवं 2003 में संविधान में संशोधन कर दलबदल कानून बनाया गया कि यदि कोई सांसद या विधायक दलबदल करता है तो वह सदन का सदस्य होने के आयोग्य करार दिया जायेगा |

8. नारी सशक्तीकरण से आप क्या अभिप्राय है ?

Ans – नारी सशक्तीकरण का मतलब यह है कि महिलाओं को उनको प्रभावित करने वाली आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक व पारिवारिक

मामलों में नीति निर्माण प्रक्रिया में भागीदारी प्रदान की जाए | |भारत सरकार ने वर्ष 2000 में नारी सशक्तीकरण की नई नीति को घोषणा की है| नारी सशक्तीकरण के लिए महिलाओं को पंचायतों व नगरपालिकाओं में 50% आरक्षण दिया गया है |

9. राजनीतिक दल को ' लोकतंत्र का प्राण ' क्यों कहा जाता है ?

उत्तर –: राजनीतिक दल के बिना हम लोकतंत्र की कल्पना कर ही नहीं सकते । राजनीतिक दल चुनाव में भाग लेते जीतने के बाद सरकार का निर्माण करते हैं । ये जनता को राजनीतिक प्रशिक्षण देते हैं । इसके साथ विपक्षी पार्टी सरकार की गलत नीतियों की लोचना करके रास्ता दिखने का काम करती है। इसीलिए राजनीतिक दलों को लोकतंत्र का प्राण कहा जाता है ।

By A A Online Solution

10. चिपको आंदोलन के मुख्य उद्देश्य क्या थे ?

उत्तर :– चिपको आंदोलन के प्रमुख उद्देश्य है –

(i) वन सम्पद की सुरक्षा

(ii)वन जीवन की सुरक्षा

(iii) मिल मालिकों के शोषण से मुक्ति ।

(iv) प्राकृतिक साधनों पर स्थानीय निवासियों का नियंत्रण

11. लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण का क्या अर्थ है ?

उत्तर –:लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार द्वारा योजनाओं का निर्माण होता है । लेकिन उन्हें स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं द्वारा चलाने का प्रयास किया जाता है । इसे लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के नाम से जाना जाता है । इससे

स्थानीय नागरिकों को शासन कार्य में भाग लेने का अधिक अवसर प्राप्त होता है।

12.लोकतंत्र जनता का जनता के द्वारा तथा जनता के लिए शासन है । कैसे ?

उत्तर :- लोकतंत्र में जनता ही अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है । चुने हुए प्रतिनिधि जनता के लिए काम करते है । वो अपने जिम्मेदरियों को निभाते है। इससे पता चलता है कि जनता अपनी भलाई के लिए ही अपने ऊपर शासन करने के लिए उन प्रतिनिधियों को चुनती है ।

13. भारत को गणतंत्र क्यों कहा जाता है ?

उत्तर :- भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भारत को गणतंत्र घोषित किया है । इसे स्पष्ट होता है कि देश में किसी राजा का शासन नहीं होगा बल्कि संविधान यह व्यवस्था करता है कि देश का शासक राष्ट्रपति होगा , जो जनता द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से एक निश्चित समय के लिए चुना जायेगा ।

14. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के विषय में लिखें ।

उत्तर :- अनुच्छेद 19 के द्वारा भारतीय नागरिकों को स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है । इसके अन्तर्गत बोलने की स्वतंत्रता , शांतिपूर्वक सभा करने की स्वतंत्रता , संघ बनाने की स्वतंत्रता , देश के किसी भी क्षेत्र में आवागमन की स्वतंत्रता , देश के किसी भी क्षेत्र में निवास करने की स्वतंत्रता तथा कोई भी व्यापार करने एवं जीविका चुनने की स्वतंत्रता दी गई है ।

BY Ashfaque Sir
Online Solution

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. भारत में किस तरह जातिगत आसमानताएँ जारी है ? स्पष्ट करें

उत्तर– भारतीय संविधान लिंग, जन्मस्थान, जाति, धर्म आदि के आधार पर किसी प्रकार के भेदभाव को प्रतिबंधित करता है। इसी उद्देश्य से अस्पृश्यता का अंत कर दिया गया परंतु आज भी कई जातिगत असामान्ताएं देखने को मिलती है। जैसे – अस्पृश्यता का पूरी तरह अंत नही हुआ, जाति का आधार जन्म हो गया, ऊंच नीच का भेद भाव बना हुआ है , जाति को राजनितिक रूप दे दिया गया, टिकट बटवारा आज भी जाति के आधार पर होता है इत्यादि।

2. बिहार में छात्र आंदोलन के प्रमुख कारण क्या थे ?

उत्तर 1971 –:के लोकसभा चुनावों के उपरान्त लागों ने महसूस किया कि केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई हैं । 1971 में बांग्लादेश का उदय हुआ , परन्तु बांग्लादेशी शरणार्थियों की समस्या ने इस स्थिति को और भी भयावह बना दिया । खाद्यान का अभाव , बेरोजगारी , भ्रष्टाचार तथा दैनिक जीवन की वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हो गई । ऊपर से सरकार की दमनकारी नीतियों ने अधिनायकवादी व्यवस्था का रूप ले लिया । जनता को बेचैनी दिनानुदिन बढ़ती चली गई । बिहार में इस अकुलाहट का प्रतिनिधित्व यहाँ के छात्रों ने किया । इन्हीं कारणों से बिहार में छात्र आंदोलन प्रारंभ हो गया । जयप्रकाश नारायण ने छात्र आंदोलन का नेतृत्व किया ।

BY Ashfaque Sir
A Online Solution

3. लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है ?

उत्तर :- लोकतंत्र एक उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है । लोकतंत्र में जनता ही शासकों का निर्वाचन करती है और उनपर नियंत्रण भी रखती है उत्तरदायी रहकर काम नहीं करने वाली सरकार को जनता अगले निर्वाचन में सत्ता से हटा भी देती है । इसलिए प्रत्येक सरकार के लिए आवश्यक होता है कि वह जनता की समस्याओं का समाधान करे जनता की इच्छा और भावना का आदर करे । शासक यह समझे कि जनता सरकार से क्या चाहती है , अन्यथा सरकार को अपदस्थ किया जा सकता है लोकतंत्र एक वैध शासन का गठन करता है । चूँकि लोकतंत्र में शासक जनता द्वारा निर्वाचित होते हैं इसलिए इसके समस्त निर्णय कानूनी प्रक्रिया से लिए जाते हैं । शासन के कार्यों की भी निर्धारित प्रक्रिया होती है । इससे बाहर जाने या मनमाने पर न्यायपालिका की नजर होती है । जनता को विरोध करने का भी अधिकार होता है । शासन द्वारा किए गए सारे कार्य कानूनी एवं वैध होते हैं । जब शासन कोई निर्णय जनता के हितों के विरुद्ध लेता है तो जनता खुलकर उसका विरोध करती है ।

By Ashfaque Sir
A A Online Solution

4. भारत में लोकतंत्र कैसे सफल हो सकता है ?

उत्तर :- भारत में लोकतंत्र की सफलता के लिए निम्नांकित शर्तें आवश्यक हैं ।

(1) जनता की जागरूकता - जनता की जागरूकता , सर्तकता तथा अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति अभिज्ञता इसकी सफलता की शर्तें हैं ।

(II)अशिक्षा की समाप्ति - अशिक्षा की समाप्ति के बिना न तो लोकतंत्र की कीमत समझी जा सकती है , न ही मताधिकार का सही प्रयोग संभव हो सकता है

(III) सामंजस्यपूर्ण सामाजिक , आर्थिक और राजनीतिक परिवेश – भारत में हर क्षेत्र में विषमता वर्तमान है । समांजस्यपूर्ण समाज और सहमति पर आधारित लोकतंत्र की स्थापना के लिए इन्हें दूर करना होगा

भूगोल

1. प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण क्यों आवश्यक है ?

उत्तर– पृथ्वी पर कुछ ऐसे प्राकृतिक संसाधन ऐसे हैं जिनकी मात्रा सीमित है। यदि वैसे संसाधनों का आवश्यकता से अधिक उपयोग करेंगे तो वे बहुत जल्द समाप्त हो जायेंगे और समाप्त होने के बाद इनका पुनः निर्माण नही हो पाएगा है। अतः संसाधनों का संरक्षण आवश्यक है।

2. पर्यावरण के लिए वन क्यों महत्त्वपूर्ण हैं?

उत्तर– पर्यावरण के लिए वन सच्चा मानक है । एक तरफ वन भूमि जल का अवशोषण कर बाढ़ के खतरे को रोकती है तो दूसरी तरफ अच्छी वर्षा भी कराती है । यह वन्य प्राणियों को भी आश्रय प्रदान करती है तथा मानव को भी अनेक आवश्यक वस्तुएँ देती हैं । जीव मंडल में जीवों और जलवायु को संतुलित स्थिति प्रदान कर संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में सर्वाधिक योगदान देता है ।

3. नदी घाटी परियोजना के मुख्य उद्देश्य क्या हैं?

उत्तर– इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य है समन्वित रूप से नदी घाटियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को हल करना। इनमें वादों का नियंत्रण, मृदा अपरदन पर रोक, सिंचाई एवं पीने के लिए पानी, उद्योगों, गाँवों और नगरों के लिए जल विद्युत उत्पादन, अन्तःस्थलीय जल परिवहन और कई अन्य

सुविधाएँ जैसे– मनोरंजन, वन्यजीव संरक्षण और मत्स्य के विकास शामिल है।

4. परंपरागत और गैर–परंपरागत ऊर्जा स्रोतों में अंतर बताइए।

उत्तर– परंपरागत ऊर्जा के स्रोत समाप्त हो जाने वाले शक्ति के साधन है और अनवीकरणीय है। इसलिए इनका उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए। कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस इसके उदाहरण हैं। गैर परंपरागत ऊर्जा के स्रोत नवीकरणीय है और आवश्यकता एवं क्षमता के अनुसार इनका उत्पादन बढ़ाया और उपयोग किया जा सकता है।सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि इसके उदाहरण है।

5. सार्वजनिक और निजी उद्योगों में अन्तर स्पष्ट करें ।

उत्तर :– सार्वजनिक उद्योग – जब किसी उद्योग का संचालन एवं नियंत्रण सरकार अथवा इसके द्वारा नियुक्त व्यक्ति के हाथों में होता है तब उसे सार्वजनिक उद्योग कहा जाता है ।

जैसे — बोकारो लोहा – इस्पात उद्योग , भारत हेवी इलेक्ट्रिक लिमिटेड

निजी उद्योग– जब किसी उद्योग का स्वामित्व एवं नियंत्रण किसी निजी व्यक्ति अथवा उसके द्वारा नियुक्त व्यक्ति के हाथों में होता है तब इस प्रकार के उद्योग को निजी उद्योग कहा जाता है ।

जैसे – टाटा उद्योग , गोदरेज उद्योग आदि ।

6. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण से आप क्या समझते है ?

उत्तर :– उदारीकरण –उदारीकरण का अर्थ ऐसे नियंत्रण में ढील देना या उन्हें हटा लेना है, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले

निजीकरण – निजीकरण का अर्थ उस अर्थव्यवस्था से है जिसमें सरकारी हस्तक्षेप एवं नियंत्रण के जगह निजी क्षेत्र को महत्त्व प्रदान करना है ।

वैश्वीकरण –वैश्वीकरण का अर्थ देश की अर्थव्यवस्था को अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यस्था के साथ जोड़ना है|

7. बिहार में वन विनाश / अभाव के दो प्रमुख कारकों को लिखें ।

उत्तर :- बिहार में वन विनाश के दो कारक निम्नलिखित हैं –

(i) बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए कृषि भूमि का विस्तार , मानव अधिवास क्षेत्र का विकास तथा ईंधन और फर्नीचर के लिए लकड़ी की आवश्यकता ।

(ii) मानव का हस्तक्षेप तथा कुछ नदियों द्वारा तीव्र मार्ग परिवर्तन ।

8. नकदी फसल और रोपण फसल में क्या अंतर है?

उत्तर :- नगदी फसल छोटे या बड़े आकार के भूखंड पर अधिक से अधिक मुद्रा की प्राप्ति के उद्देश्य से इस प्रकार के फसल उगाए जाते हैं। जैसे–तंबाकू, मसाला आदि।रोपण फसल — रोपन कृषि भी एक प्रकार की व्यापारिक कृषि ही है। इस कृषि में उद्योग की तरह ही मैनेजर एवं मजदूर की व्यवस्था होती है और मिल मालिक की तरह इसमें कृषक की स्थिति होती है। ऐसी कृषि बड़े–बड़े फार्मों में यंत्रों एवं अन्य आधुनिक तकनीक से की जाती है।

9. हरित क्रांति से आप क्या समझते है ?

उत्तर :- सन् 1960 के दशक में पंजाब , हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तरप्रदेश में कृषि के क्षेत्र में एक क्रांति हुई थी जिसे हरित क्रांति कहते हैं । इसने भारत को कृषि के मामले में आत्मनिर्भर बनाया । इसमें सर्वाधिक उपज गेहूँ की हुई थी । इस क्रांति के जनक डॉ ० एम ० एस ० स्वामीनाथन थे । इसमें उत्तम बीजों एवं खाद का प्रयोग किया गया था ।

By Ashfaque Sir A A Online Solution

10. परमाणु शक्ति किन-किन खनिजों से प्राप्त होती है?

उत्तर- परमाणु शक्ति (नाभकीय ऊर्जा) निम्नांकित खनिजों से प्राप्त होती है- यूरेनियम, थोरियम, नियोबियम, टेंटेलस, बेरीलियम, लीथियम, विलिम, जिरकोनियन आदि।

11. खनिज को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- प्रकृति में स्वतः पाए जाने वाले ऐसे पदार्थ जिनकी एक निश्चित आंतरिक संरचना होती है , खनिज कहलाते हैं । ये चट्टानों में अयस्क के रूप में पाये जाते हैं । इसकी उत्पत्ति पृथ्वी के अंदर विभिन्न भू - वैज्ञानिक प्रक्रियाओं द्वारा होती है । यह एक प्राकृतिक और अनवीकरणीय संसाधन है

12. सड़क परिवहन के कोई चार गुण बताइए।

उत्तर :- सड़क परिवहन के चार गुण इस प्रकार हैं-

(i) छोटी दुरियाँ सड़क यातायात द्वारा आसानी से तय की जा सकती हैं।

(ii) सड़क मार्ग द्वारा शीघ्र नष्ट होने वाली सामग्रियों को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। को घर तक

(iii) सड़क मार्ग द्वारा उपभोक्ता तक आसानी से वस्तुओं पहुँचाया जा सकता है।

(iv) सड़क मार्ग रेल मार्ग के लिए सहायक मार्ग के रूप में कार्य करता है। निर्माता के द्वार से रेलवे स्टेशन तक वस्तुओं को पहुँचाने के लिए संपर्क मार्ग का काम करता है।

13. बिहार में जूट उद्योग पर टिप्पणी लिखें।

उत्तर :- बिहार के उत्तरी - पूर्वी भागों में जुट उद्योग के विकास के लिए आवश्यक दशाएँ उपलब्ध है । इस क्षेत्र में अधिक वर्षा , उच्च आर्द्रता , अधिक तापमान , जलोढ़ मिट्टी और बाढ़ग्रस्त खादर का मैदान जूट की खेती

के लिए आदर्श भौगोलिक दशा उत्पन्न करते हैं । अत : पूर्णिया , कटिहार , किशनगंज , अररिया , समस्तीपुर , आदि जिले जूट उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है । इनमें कटिहार जूट मिल्स लिमिटेड , समस्तीपुर की रामेश्वर जूट मिल्स और नालन्दा की मौर्य जूट इण्डस्ट्रीज प्रा. लि. विशेष उल्लेखनीय है।

14. समोच्च रखा से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर :- समुद्र की सतह के समान ऊँचाई वाले स्थानों को मिलाने वालों रेखा समोच्च रेखा कहलाती है । मिन्न - भिन्न ऊँचाई के लिए अलग - अलग प्रारूप की रेखाएँ खींची जाती है ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. भारतीय अर्थव्यवस्था में परिवहन और संचार कली महत्ता का वर्णन कीजिए?

उत्तर :- परिवहन एवं संचार के साधन भारत की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं । भारत एक विशाल भौगोलिक क्षेत्रफल एवं बृहत जनसंख्या चाला देश है । यहाँ संसाधनों के वितरण में असमानताएँ हैं । राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय विकास के लिए प्राय : सभी संसाधनों की जरूरत होती है । परिवहन के साधन उपलब्ध रहने से उद्योगों को कच्चा माल की आपूर्ति एवं तैयार माल को बाजार तक पहुंचाने में आसानी होती है । परिवहन एवं संचार के साधन एक - दूसरे को जोड़ने का कार्य करते हैं । जिससे हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होती जा रही है । संचार के सामन सामाजिक सांस्कृतिक स्तर को ऊँचा उठाने में भी योगदान करते हैं । भारत , पाकिस्तान , बांग्लादेश , नेपाल के साथ परिवहन संपर्क दो देशों के बीच सामाजिक - सांस्कृतिक विकास का सूचक है ।

परिवहन एवं संचार के बिना किसी भी प्रकार की आर्थिक प्रक्रिया लगभग असंभव है । ये साधन हमारे जैविक पक्ष को भी प्रभावित करते हैं । वर्तमान

BY Ashfaque Sir
A Online Solution

भारतीय अर्थव्यवस्था एवं इसका भविष्य पूरी तरह से परिवहन एवं संचार के साधनों पर निर्भर है । राष्ट्र के लिए उपयोगी परिवहन एवं संचार सेवाएँ निश्चय ही देश की अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है ।

2. जैव – विविधता क्या है ? यह मानव के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण है ?

उत्तर– किसी विशेष क्षेत्र में उपस्थित एक सामुदायिक जातियों की संख्या एवं जातियों के अंतर्गत आनुवंशिक परिवर्तनशीलता की मात्रा उस क्षेत्र के समुदाय की जैव विविधता कहलाती है |

जैव विविधता मानव के लिए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है । यह नई फसलों , औषधियों को प्राप्त करने का स्रोत है । बढ़ती हुई जनसंख्या के पेट भरने के लिए एवं स्वस्थ रहने के लिए इन फसलों एवं औषधियों का महत्त्व और भी अधिक है । इससे मानवीय विकास को गति प्रदान होती है । पर्यावरणीय परिवर्तन का सामना करने में जैव विविधता महत्वपूर्ण कार्य करता है । यह वर्तमान समय में सभी जातियों की आनुवंशिक विविधताओं को संरक्षित रखने में सहायक होता है । इस प्रकार मानव जीवन को स्वस्थ , संतुलित तथा विकासशील रखने में जैव विविधता को अक्षुण बनाए रखना मानव के लिए महत्त्वपूर्ण है ।

By Kundan Sir
A A Onlne Solution

3. भारतीय कृषि की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

उत्तर :– भारतीय कृषि की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं •

(1) जीवन निर्वाह कृषि भारतीय कृषि आजीविका प्रधान तथा प्राचीन एवं परंपरागत व्यवसाय है । भारत की 70 % आबादी कृषि पर आधारित है इस प्रकार कृषि पर जनसंख्या का बोझ अधिक है ।

(ii) खाद्यानों की प्रधानता – अधिक जनसंख्या के लिए भोजन जुटाने हेतु फसलें कम पैदा की जाती है । खाद्यान्नों का ही मुख्य रूप से उत्पादन करना पड़ता है । व्यापारिक कम पैदा की जाती है ।

(iii) कृषि के प्राचीन तरीके पिछड़ी विधि से किया जाता है ।
(iv) कृषि का मानसून पर निर्भरता भारतीय कृषि पूर्णत: मानसूनी जलवायु पर निर्भर है । मानसून की अनिश्चितता का प्रभाव कृषि उत्पाद पर पड़ता है ।
(v) व्यापारिक कृषि – इस प्रकार की कृषि में अधिक पूंजी आधुनिक तकनीक का निवेश किया जाता है । अत: किसान अपनी लगाई पूँजी से अधिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास करता है ।
जैसे – चाय , कॉफी

4. भारतीय अर्थव्यवस्था में परिवहन और संचार कली महत्ता का वर्णन कीजिए?

उत्तर :– परिवहन एवं संचार के साधन भारत की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं । भारत एक विशाल भौगोलिक क्षेत्रफल एवं बृहत जनसंख्या चाला देश है । यहाँ संसाधनों के वितरण में असमानताएँ हैं । राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय विकास के लिए प्राय : सभी संसाधनों की जरूरत होती है । परिवहन के साधन उपलब्ध रहने से उद्योगों को कच्चा माल की आपूर्ति एवं तैयार माल को बाजार तक पहुंचाने में आसानी होती है । परिवहन एवं संचार के साधन एक – दूसरे को जोड़ने का कार्य करते हैं । जिससे हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होती जा रही है । संचार के सामन सामाजिक सांस्कृतिक स्तर को ऊँचा उठाने में भी योगदान करते हैं । भारत , पाकिस्तान , बांग्लादेश , नेपाल के साथ परिवहन संपर्क दो देशों के बीच सामाजिक – सांस्कृतिक विकास का सूचक है ।
परिवहन एवं संचार के बिना किसी भी प्रकार की आर्थिक प्रक्रिया लगभग असंभव है । ये साधन हमारे जैविक पक्ष को भी प्रभावित करते हैं । वर्तमान भारतीय अर्थव्यवस्था एवं इसका भविष्य पूरी तरह से परिवहन एवं संचार के साधनों पर निर्भर है । राष्ट्र के लिए उपयोगी परिवहन एवं संचार सेवाएँ निश्चय ही देश की अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा है ।

BY Ashfaque Sir
A Online Solution

5. " कृषि बिहार की अर्थव्यवस्था की रोड़ है । " इस कथन को व्याख्या कीजिए ।

उत्तर :- बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है । यहाँ की 80 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है । बिहार की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है । बिहार में गंगा का उत्तरी मैदान सबसे उपजाऊ जमीन है । राज्य में खाद्यान्न फसलों चावल , गेहूँ , मक्का , जौ , दलहन एवं तेलहन हैं । इसके अलावे रेशेदार फसलों जैसे — पटसन , जूट , नकदी फसलों— जैसे — गन्ना , तम्बाकू , पान तथा फल और सब्जियों का प्रचुर उत्पादन होता है । फलों में आम , केला , लीची , अमरूद प्रमुख है । इन कृषि फसलों के उत्पादन व व्यापार से कृषकों एवं व्यापारियों को लाभ तथा सरकार को राजस्व की प्राप्ति हो रही है । कृषि के साथ पशुपालन भी किया जा रहा है । इससे लोगों की आजीविका व राज्य सरकार को आय की प्राप्ति हो रही है । खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के अन्तर्गत चाय - प्रसंस्करण उद्योग , दुग्ध उद्योग , मखाना , शहद , बिस्कुट , बेकरी , मत्स्य , शीतल पेय उद्योग का विकास हुआ है । अतः कृषि एवं आनुषंगिक कार्य बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है ।

BY Ashfaque sir
A A Online Solution

अर्थशास्त्र

1. आर्थिक आधारभूत संरचना का क्या महत्त्व है .?

उत्तर -: आर्थिक आधारभूत संरचना का मतलब यह है कि जो किसी देश के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है । यह अर्थव्यवस्था की नींव होती है । जैसे ऊर्जा , परिवहन , उद्योग , दूरसंचार , बैंकिंग , पानी , शिक्षा की सुविधा के बिना आधुनिक समय में आर्थिक विकास नहीं हो सकता है

2. मिश्रित अर्थव्यवस्था क्या है ?

उत्तर –: मिश्रित अर्थव्यवस्था में पूँजीवाद एवं समाजवाद दोनों अर्थव्यवस्था शामिल होता है । इस प्रकार की अर्थव्यवस्था निजी उद्यम तथा सरकार दोनों के द्वारा संचालित होती है । इसमें कुछ क्षेत्र सरकार के अधीन होते तथा शेष क्षेत्र निजी उद्यम के हाथ में होते हैं। जैसे – भारत एक मिश्रित अर्थव्यवस्था वाला

3. प्रतिव्यक्ति आय और राष्ट्रीय आय में अन्तर स्पष्ट करें।

उत्तर :– प्रतिव्यक्ति आय–जब किसी देश की कुल आय में कुल जनसंख्या से भाग देने पर जो भागफल आता है उसे प्रतिव्यक्ति आय कहते हैं। इस प्रकार प्रतिव्यक्ति आय की धारणा राष्ट्रीय आय से जुड़ी हुई है। राष्ट्रीय आय में वृद्धि होने पर प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि होती है। राष्ट्रीय आय वर्ष भर में किसी देश में अर्जित आय की कुल मात्रा को
राष्ट्रीय आय कहा जाता है। इसमें देश में उत्पादित विभिन्न साधनों के सहयोग से राष्ट्रीय आय की प्राप्ती होती है।

4. आय का गरीबी के साथ सम्बन्ध स्थापित करें ?

उत्तर आय का गरीबी के साथ सीधा सम्बन्ध है । यदि –:आय कम होगी तब गरीबी उतनी ही अधिक होगी । जीवन स्तर निम्न होगा और पूँजी का निर्माण भी नहीं हो पायेगा । अशिक्षा एवं अज्ञानता के कारण गरीब परिवार की अगली पीढ़ी गरीब रह जाती है । इसके साथ ही गरीबी गरीबी को जन्म देती है ।

BY Ashfaque Sir
AAO Solution

5. वस्तु विनिमय प्रणाली क्या है?

उत्तर –: जब किसी वस्तु या सेवा का विनिमय किसी अन्य वस्तु या सेवा के साथ सीधे रूप से किया जाता है तब इसे वस्तु विनिमय कहते हैं इसके अंतर्गत वस्तुओं की प्रत्यक्ष अदला बदली होती है । उदाहरण के लिए जब – कोई गेहूँ के बदली कपड़ा लेता है तब इसे वस्तु विनिमय कहेंगे ।

6. सहकारिता से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर –: सहकारिता का अर्थ है एक साथ मिल जुलकर कार्य करना । – सहकारिता " –लेकिन अर्थशास्त्र में सहकारिता की परिभाषा इस प्रकार है –वह संगठन है जिनके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्वक मिल जुलकर समान स्तर पर आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं ।

7. सहकारी सेवा किसे कहते हैं?

उत्तर सरकारी सेवा का –:मतलब राज्य अथवा सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न प्रकार की सेवाओं से है , जिसमें सुरक्षा एवं प्रशासनिक सेवाएँ तथा सार्वजनिक सेवाएँ –:जैसे रेल पथ परिवहन –, विद्युत , जलापूर्ति , प्राथमिक स्वास्थ्य , स्कूल , कॉलेज आदि सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है

8. स्वयं सहायता समूह से आप क्या समझते हैं?

उत्तर :– ग्रामीण या शहरी क्षेत्र में छोटी बचत करने वाले 15-20 व्यक्तियों का वह समूह जो अपने सदस्यों को उनके निजी एवं व्यावसायिक जरूरतों के लिए ब्याज पर ऋण देता है, स्वयं सहायता समूह (SHG) कहलाता है। यह समूह बैंक से ऋण लेकर अपने सदस्यों को मदद करता है। इनकी ब्याज दर महाजन / साहुकार द्वारा लिए जानेवाले ब्याज से कम होती है।

By Ashish Sir A Online Solution

9. वैश्वीकरण से आप क्या समझते है ?

उत्तर –: वैश्वीकरण का अर्थ विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं में ताल मेल स्थापित करना और उन्हें एक दूसरे से जोड़ना है । इस व्यवस्था में वस्तुओं – के आयात एवं निर्यात पर कोई प्रतिबंध नहीं होता है । इसके अन्तर्गत विश्व की सभी अर्थव्यवस्थाएँ एक बाजार का रूप ले लेती है

10. निजीकरण से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर –: निजीकरण का अर्थ है , निजी क्षेत्र द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों पर पूरी तरह या थोड़ा मालिकाना हक़ प्राप्त करना तथा उनका देख रेख करना । आर्थिक सुधारों के अंतर्गत भारत सरकार ने सन् 1991 में इस नीति की शुरुआत की थी ।

11. उदारीकरण को परिभाषित करें ।

उत्तर –: उदारीकरण का अर्थ है सरकार द्वारा बनाई गई आर्थिक नीतियों में छूट प्रदान करना । इसके अन्तर्गत अनावश्यक नियंत्रणों एवं प्रतिबंधों जैसे परमिट , लाइसेंस , कोटा आदि को हटाना ।

12. बाह्यस्त्रोती) Outsourcing) किसे कहते हैं?

उत्तर–जब कम्पनियाँ अपने लिए संबंधित नियमित सेवाओं की व्यवस्था स्वयं अपनी कम्पनी के माध्यम से न करके किसी अन्य देश या बाहरी स्त्रोत अथवा संस्था या समूह से प्राप्त करती हैं, तो यह बाह्यस्त्रोती कहलाती हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रसार से ऐसी गतिविधियाँ अत्यधिक महत्त्वपूर्ण एवं विशिष्ट आर्थिक गतिविधियाँ बन गयी हैं।

BY Ashfaque Sir
AAQ Solution

13. उपभोक्ता शोषण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर -: उपभोक्ता शोषण का अभिप्राय उत्पादक अथवा विक्रेताओं द्वारा उपभोक्ताओं के साथ बेचीं गई वस्तुओं की गुणवत्ता , मात्रा , शुद्धता एवं मूल्य आदि से संबंधित अनुचित व्यापारिक व्यावहारों से है ।

14. उपभोक्ताओं के शोषण के कौन – कौन से तरीके हैं?

उत्तर :- भारत में उपभोक्ताओं का शोषण निम्न प्रकार से किया जाता है –

(i) माप – तौल में कमी

(ii) उचित मूल्य से ज्यादा कीमत लेना

(iii) निम्न स्तर के वस्तुओं का विक्रय

(iv) वस्तुओं की कालाबाजारी

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के क्या कारण हैं ?

उत्तर -: उत्तर -: बिहार में पिछड़ेपन के निम्नलिखित कारण है –

(i) तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या – बिहार में तीव्र गति से जनसंख्या में वृद्धि हो रही है 2011 की जनगणना के अनुसार यहाँ की जनसंख्या 38 करोड़ हो गयी है बढ़ती जनसंख्या विकास में बड़ी बाधा है ।

)ii) धीमी कृषि का विकास – राज्य की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है । यहाँ की कृषि व्यवस्था उन्नत नहीं है । जिससे कृषि पिछड़ी हुई है ।

)iii) उद्योगों का अभाव – झारखण्ड के अलग होने से अधिकांश उद्योग – धंधे झारखंड चले गये हैं, जो पिछड़ापन का मुख्य कारण हैं ।

)iv) बाढ़ एवं सूखा से क्षति – बिहार को बाढ़ एवं सूखा से प्रतिवर्ष काफी क्षति उठानी पड़ती है । प्रत्येक वर्ष सीतामढ़ी मुजफ्फरपुर , दरभंगा , मधुवनी , सहरसा आदि जिलों में बाड़ तथा सूखा की स्थिति देखने को मिलती है ।

By Ashfaque Sir A Online Solution

)v) गरीबी – बिहार भारत के बीमारू राज्यों में से एक है । प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से कम है । इस प्रकार यहाँ गरीबी का कुचक्र चलता रहता है ।

)vi) प्राकृतिक साधनों के समुचित उपयोग का अभाव – बिहार में उपलब्ध प्राकृतिक साधनों का समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है । झारखंड के अलग हो जाने के बाद यहां वन एवं खनिज की कमी हो गयी है इसके अभाव में बिहार पिछड़ापन का शिकार है ।

)vii) कुशल प्रशासन का अभाव – बिहार में प्रशासन व्यवस्था की स्थिति भी काफी खराब है ।

पिछड़ापन दूर करने के उपाय – बिहार का आर्थिक पिछड़ापन आर्थिक , सामाजिक एवं राजनैतिक कारणों का संयुक्त परिणाम है तथा इसके संवृद्धि एवं विकास के लिए एक समेकित कार्यक्रम अपनाना आवश्यक है बिहार मूलतः एक कृषि एवं ग्राम प्रधान राज्य है अतः कृषि के विकास और आधुनिकीकरण के बिना राज्य की संवृद्धि संभव नहीं है ।

2. राष्ट्रीय आय की परिभाषा दें । उसकी गणना की प्रमुख विधियाँ कौन – सी हैं –कौन ?

उत्तर –: किसी देश की पूँजी एवं श्रम का उसके प्राकृतिक साधनों पर प्रयोग करने से
प्रतिवर्ष वस्तुओं का एक शुद्ध समूह उत्पन्न होता है जिसमें भौतिक तथा अभौतिक पदार्थ एवं सभी प्रकार की सेवाएँ सम्मिलित रहती है । इस संपूर्ण विशुद्ध उत्पत्ति को देश की वास्तविक वार्षिक आय या वार्षिक राजस्व अथवा राष्ट्रीय आय कहते हैं । राष्ट्रीय आय की माप के निम्न तरीके हैं ।

)i) उत्पत्ति गणना पद्धति – इस पद्धति के अनुसार किसी वर्ष में किसी देश में कृषि , उद्योग तथा उत्पादन के अन्य क्षेत्रों में जो उत्पादन होता है उसकी गणना की जाती है । इस कुल उत्पत्ति में से अचल पूँजी का ह्रास तथा चल पूँजी के प्रतिस्थापन की आय तथा कर एवं बीमा आदि का व्यय

BY Ashfaque Sir Online Solution

निकालकर जो शेष बचता है उसे शुद्ध उत्पत्ति कहते हैं । यह शुद्ध उत्पत्ति राष्ट्रीय आय होती है । इसे उत्पादन के विभिन्न साधनों के बीच वितरित किया जाता है ।

)ii) आय गणना पद्धति –वह विधि है जो राष्ट्रीय आप को मापने की आय गणना पद्धति एक लेखा वर्ष में उत्पादन के प्राथमिक साधनों को उनकी उत्पादक सेवाओं के बदले किए गए भुगतानों की दृष्टि से राष्ट्रीय आय की माप करती है ।

)iii) व्यय विधि – व्यय विधि वह विधि है जिसके द्वारा एक लेखा वर्ष में बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद पर किए गए अंतिम व्यय को मापा जाता है । यह अंतिम व्यय बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद के बराबर लेता है ।

iv) व्यावसायिक गणना पद्धति – इस प्रणाली में लोगों की आय की गणना इनके पेशों के अनुसार की जाती है जहाँ आय के पर्याप्त आँकड़े नहीं प्राप्त होते वहाँ इसी पद्धति को काम में लाया जाता है । पहले विभिन्न प्रकार के व्यवसाय से लोगों को प्राप्त आय की गणना की जाती है और तब इनका कुल योग राष्ट्रीय आय को सूचित करता है । जैसे – कृषि उद्योग , यातायात तथा अन्य व्यवसाय

3. किसी व्यक्ति की बचत करने की ईच्छा किन बातों से प्रभावित होती है।या त्त्वों की विवेचना करें ।बचत को निर्धारित करने वाले त ,

उत्तर –: बचत आय का वह भाग है जिसका वर्तमान में उपभोग नहीं किया जाता है तथा इस बचत से ही पूंजी का निर्माण होता है । उदाहरण के लिए यदि किसी व्यक्ति की मासिक आय 10,000 रुपये है जिसमें वह 9,000 रुपये उपभोग पर व्यय करता है तो शेष 1000 रुपये उसकी बचत है ।

इस प्रकार - कुल आय = उपभोग व्यय – बचत

By Ashfaque Sir
A A Online Solution

)1) बचत करने की शक्ति – आय एवं व्यय का अनुपात ऐसा होना चाहिए कि आय जितनी अधिक होगी , उसके अनुपात में व्यय जितना कम होगा वहाँ बचत की शक्ति उतनी ही अधिक होगी । इसके अलावे बचत करने की शक्ति आय एवं धन की वितरण पर भी निर्भर करती है ।

)ii) बचत करने की इच्छा – बचत , लोगों में बचत करने की इच्छा पर निर्भर करती है । बचत करने की इच्छा कई मुद्दों द्वारा प्रभावित होती है , जैसे व्यक्ति की दूरदर्शिता , पारिवारिक प्रेम , ब्याज कमाने की इच्छा , सामाजिक प्रतिष्ठा , व्यक्ति का स्वभाव , पेशे का प्रभाव आदि पर बचत करने की इच्छा निर्भर करती है ।

)III) बचत करने की सुविधा – लोगों की बचत करने की सुविधाओं पर भी बचत निर्भर करती है । ये सुविधाएँ कई प्रकार से बचत को प्रभावित कर सकती है , जैसे शांति एवं सुरक्षा की व्यवस्था हो , पूँजी का विनियोग करने से लाभ हो तो बचत ज्यादा होगी , इसके अलावा वित्तीय संस्थाओं की सुविधा मुद्रा के मूल्य में स्थायित्व जैसी सुविधा हो तो बचत अधिक करेंगे ।

4. भारत में सहकारिता के विकास का वर्णन कीजिए ।

उत्तर –: भारत में सर्वप्रथम 1904 में एक सहकारिता साख समिति विधान " पारित हुआ जिसके अनुसार कोई भी दस व्यक्ति मिलकर सहकारी साख " समिति की स्थापना कर सकते थे । सन्1912 में एक और अधिनियम आया जिसके अंतर्गत ऋण के अतिरिक्त अन्य उद्देश्यों के लिए भी केंद्रीय संगठनों की स्थापना की व्यवस्था की गई । अंतत :1915 ई ० में मेक्लेगन समिति नियुक्त की गई जिसने इसकी भावी रूप रेखा तैयार की 1919 के राजनीतिक सुधारों के अनुसार इसे प्रांतीय विषय बना दिया गया । इसका संचालन अब राज्य सरकारों के द्वारा होता है 1929-30 की मंदी का सहकारिता के विकास पर प्रतिकूल असर पड़ा । कृषि पदार्थों के मूल्य में कमी आने से किसानों की स्थिति बिगड़ गई और उन्होंने सहकारिता आंदोलन से अपना हाथ खींच

By Ashfaque Sir A Online Solution

लिया । 1937 में रिजर्व बैंक के अधीन खोले गए कृषि साख विभाग से सहकारिता के विकास को बहुत प्रोत्साहन मिला है । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद के वर्षों में सहकारिता के प्रसार और इसे सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा प्रयास किए गए हैं योजना आयोग के अनुसार इसका उद्देश्य गाँवों की प्रगति और ग्रामीण समाज को पुनर्गठन करने के साथ ही कुटीर एवं लघु उद्योगों का विकास करना भी है । इन प्रयासों के फलस्वरूप विगत वर्षों में सहकारिता की काफी प्रगति हुई है जहाँ 1950-51 में सहकारी समितियों की संख्या मात्र 1 लाख 5 हजार तथा उनकी सदस्य संख्या 44 लाख थी , वही 2014-15 में सहकारी समितियों की संख्या बढ़कर लगभग 8,33,56 और उनकी सदस्यता 27 करोड़ हो गई । वर्तमान में देश की ग्रामीण शाखा की एक चौथाई से - अधिक सहकारी साख समितियाँ प्रदान करती है ।

5. बिहार के आर्थिक व्यवस्था पर वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभाव का वर्णन करें ।

उत्तर -: बिहार के आर्थिक व्यवस्था पर वैश्वीकरण का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है जो निम्नलिखित हैं -

)I) कृषि उत्पादन में वृद्धि वैश्वीकरण के कारण आपात स्थिति में भी - सरकार खाद्य सुरक्षा के मामले में सबल है अर्थात् कृषि उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है ।

)II) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की प्राप्ति वैश्वीकरण के फलस्वरूप बिहार में - विदेशी प्रत्यक्ष निवेश भी हुआहै और भविष्य में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में वृद्धि की आशा की जाती है ।

)iii) राज्य की आय तथा प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि वैश्वीकरण के कारण - बिहार राज्य की आय तथा प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि हुई है ।

)iv) विश्वस्तरीय उपभोक्ता वस्तुओं की उपलब्धता वैश् -वीकरण के कारण बिहार के बाजारों में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में मोबाइल फोन , जूते , रेडिमेड

BY Ashfaque Sir
A Online Solution

वस्त्र , खाद्य पदार्थ , कारें एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएँ बिहार में उपलब्ध है ।

)v) रोज़गार के अवसर में वृद्धि वैश्वीकरण के फलस्वरूप बिहार के - बहुत सारे सॉफ्टवेयर इंजीनियर आज संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इंगलैंड आदि देशों में बड़ी संख्या में नौकरी कर रहे हैं ।

)vi) बहुराष्ट्रीय बैंक एवं बीमा कम्पनियों का आगमन चैश्वीकरण के - कारण एच एस बी सी बैंक, बजाज एलियांस , बिरला सनलाइफ , टाटा ए ०जी ०आई ., अवीवा इत्यादि का बिहार में आगमन हुआ है ।

इस प्रकार बिहार की अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है ।

BY Ashfaque Sir

6. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 की मुख्य विशेषताओं का वर्णन करें ।

उत्तर -: उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा एवं उनके शोषण को रोकने के लिए सरकार ने 1986 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम पारित किया । इस अधि नियम की प्रमुख विशेषताएँ निम्नांकित हैं ।

)1) अधिनियम के अन्तर्गत अनुचित व्यापार तरीकों का प्रयोग करने वाले उत्पादकों एवं विक्रेताओं को दंड देने के स्थान पर उपभोक्ताओं की क्षतिपूर्ति की व्यवस्था की गई है ।

Online Solution

(ii) इसके लिए इस अधिनियम में राष्ट्रीय राज्य एवं जिला स्तर पर एक आयोग गठित किया गया है ।

)iii) यह अधिनियम वस्तुओं और सेवाओं दोनों के क्रय विक्रय पर लागू - होता है ।

)iv) इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं की शिकायतों को शीघ्रता सेकम खर्च में दूर करना है ।

7. मानवाधिकार के महत्त्व पर एक टिप्पणी लिखें ।

उत्तर –: मानवाधिकार का संबंध किसी देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों से है । इसकी सुरक्षा के लिए हमारे देश में ' मानवाधिकार आयोग ' की स्थापना की गई है । मानवाधिकार आयोग के अन्तर्गत समाज के शोषित , निर्धन और कमजोर वर्ग के लोगों की सुरक्षा हेतु सुनवाई की जाती भारतीय संविधान देश के सभी नागरिकों को समान सुविधा तथा समान अवसर का अधिकार प्रदान करता है । इन अधिकारों का हनन होने पर कोई भी व्यक्ति मानवाधि कार आयोग को आवेदन दे सकता है । मानवाधिकारों का उल्लंघन होने पर यह स्वयं भी संज्ञान ले सकता है । उदाहरण के लिए , बिहार मानवाधि कार आयोग ने पिछले एक वर्ष में भूख से मौत , सामाजिक सुरक्षा नियमों की अवहेलना तथा निर्धनता निवारण योजनाओं के कार्यान्वयन जैसे मामलों में स्वयं संज्ञान लेकर हस्तक्षेप किया है । राष्ट्रीय मानवाधिकार के अन्तर्गत राष्ट्रीय महिला आयोग जैसी राष्ट्रीय संस्थाओं के माध्यम से भारत सामाजिक , राजनीतिक , आर्थिक और सांस्कृतिक सहित सभी क्षेत्रों में मानवाधिकारों के संरक्षण और संवर्धन में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है ।

By Ashfaque Sir
A A Onlne Solution